

Padma Shri



DR. JAYANTKUMAR MAGANLAL VYAS

Dr. Jayantkumar Maganlal Vyas is a veteran forensic scientist and the founder Vice Chancellor of National Forensic Sciences University (NFSU), a unique and highly specialized university. He is heading the Directorate of Forensic Science of Gujarat, Gandhinagar for the past 29 years, presently tenanted the additional charge of its Director General. His vast experience of 48 years in the field of forensic research and investigations, makes him the senior most serving Forensic Scientist of the country.

2. Born on 6th November, 1951, Dr. Vyas hails from Junagadh in Gujarat. He received his Bachelor of Science degree in 1971 and Master of Science (Chemistry) degree in 1973, both from Saurashtra University. Later, he received Bachelor of Legislative Law degree from Gujarat University in 1986, and earned Ph.D. degree, also from Gujarat University in 2007. Soon after completing M.Sc. studies, he joined the Forensics organization of Gujarat in 1973 and continues to be associated with it till date.

3. Dr. Vyas has headed various Forensic Science Laboratories (FSL) of Gujarat State, leading to his appointment as the Director of Gujarat's Directorate of Forensic Science for 28 years before becoming its Director General in 2020. Over the years, he has specialized in varied branches of forensic science, innovated number of path breaking forensic technologies and its applications, and undertaken innumerable scientific investigations of heinous crimes in the country. Equally significant contribution has been as a pioneer in the vital area of professional forensic education wherein he initiated technical as well as hands-on practical training, not only for the forensic experts across the country but also the officials from police, judiciary and prosecution, to name a few.

4. In 2009, Dr. Vyas set up world's first and so far the only forensics university, the erstwhile Gujarat Forensic Sciences University. In the absence of any such university in the world, he developed his own structure to create a state-of-the-art skillbased institution of higher learning of international standard. Under his leadership of 12 years, the university was upgraded to be the National Forensic Sciences University with the status of INI. Within one year of establishment of NFSU, he has not only got its first campus running in New Delhi but also established campuses from scratch in Goa and Tripura and even launched various academic programs. His vision being to offer comprehensive training to strengthen the criminal justice delivery system, besides existing schools, he has also established dedicated schools for Police Science & Security Studies, Law & Forensic Justice, Medico-Legal Studies and Forensic Psychology. He has now established a modern Centre of Excellence for NDPS with more centres in other streams underway. Today, NFSU boasts of having around 5000 students, undergoing 70 specialized Post Graduate Degree / Diploma courses being run in every possible branch of the forensic science and its allied subjects.

5. Dr. Vyas has received a number of recognitions and awards, some of which includes 'President's Police Medal' for meritorious services in 1997, 'Best Forensic Science Laboratory Director of the country' in 2004, and 'Life Time Achievement Award' in the area of Forensic Chemistry by Amity University and AIIMS, New Delhi, in 2008. Amongst international recognitions, he has been awarded 'Distinguished International Forensic Scientist Award' by The Henry C. Lee Institute of Forensic science, University of New Haven, USA in 2018, 'Lifetime Achievement Award' by the International Association of Police Academies (INTERPA), Turkey in 2019, and 'Humanitarian Forensics Award' by the International Centre for Humanitarian Forensics, also in 2019, to name a few.

पद्म श्री



डॉ. जयंतकुमार मगनलाल व्यास

डॉ. जयंतकुमार मगनलाल व्यास एक अनुभवी फोरेंसिक वैज्ञानिक और राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एन.एफ.एस.यू) के संस्थापक कुलपति हैं, जो एक अद्वितीय और अत्यधिक विशिष्ट विश्वविद्यालय है। वे पिछले 29 वर्षों से गुजरात के फोरेंसिक विज्ञान निदेशालय, गांधीनगर के प्रमुख रहे हैं और वर्तमान में इसके महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे हैं। फोरेंसिक अनुसंधान और जांच के क्षेत्र में उनका 48 वर्षों का विशाल अनुभव, उन्हें देश का सर्वाधिक वरिष्ठतम फोरेंसिक वैज्ञानिक सिद्ध करता है।

2. 6 नवंबर 1951 को जन्मे, डॉ. व्यास गुजरात के जूनागढ़ के रहने वाले हैं। उन्होंने 1971 में विज्ञान में स्नातक की डिग्री और 1973 में विज्ञान में स्नातकोत्तर (रसायन विज्ञान) की डिग्री, दोनों सौराष्ट्र विश्वविद्यालय से प्राप्त की। बाद में, उन्होंने 1986 में गुजरात विश्वविद्यालय से विधि स्नातक की डिग्री और 2007 में गुजरात विश्वविद्यालय से पी.एच.डी. की डिग्री प्राप्त की। एमएससी की पढ़ाई पूरा करने के तुरंत बाद वह 1973 में गुजरात के फोरेंसिक संगठन में शामिल हुए और आज भी इससे जुड़े हुए हैं।

3. डॉ. व्यास ने गुजरात राज्य की विभिन्न फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं (एफएसएल) का नेतृत्व किया है, जिसके कारण उनकी नियुक्ति 28 वर्षों तक गुजरात के फोरेंसिक विज्ञान निदेशालय के निदेशक के रूप में रही। वर्ष 2020 में वे निदेशालय के महानिदेशक बने। विगत वर्षों में उन्होंने फोरेंसिक विज्ञान की विभिन्न शाखाओं में विशेषज्ञता अर्जित की है। फोरेंसिक विज्ञान की विभिन्न शाखाओं में नई पथप्रदर्शक फोरेंसिक प्रौद्योगिकियों और इसके अनुप्रयोगों से उन्होंने देश में जघन्य अपराधों की असंख्य वैज्ञानिक जांचें की। पेशेवर फोरेंसिक शिक्षा के महत्वपूर्ण क्षेत्र में अग्रणी के रूप में उनका समान रूप से महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जिसमें उन्होंने न केवल देश भर के फोरेंसिक विशेषज्ञों के लिए बल्कि पुलिस, न्यायपालिका और अभियोजन पक्ष के अधिकारियों के लिए भी तकनीकी और व्यावहारिक प्रशिक्षण शुरू किया है।

4. डॉ. व्यास ने 2009 में, दुनिया का पहला और अब तक का एकमात्र फोरेंसिक विश्वविद्यालय, तत्कालीन गुजरात फोरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी की स्थापना की। विश्व में ऐसे किसी विश्वविद्यालय के न होने पर उन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की उच्चतर शिक्षा का अत्याधुनिक कौशल आधारित संस्थान बनाने के लिए अपनी ही संरचना विकसित कर दी। 12 वर्षों के उनके नेतृत्व में, विश्वविद्यालय को आईएनआई की स्थिति के साथ राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के रूप में अपग्रेड किया गया था। एनएफएसयू की स्थापना के एक वर्ष के भीतर, उन्होंने न केवल नई दिल्ली में अपना पहला परिसर प्रारंभ किया, बल्कि गोवा और त्रिपुरा में भी परिसरों की स्थापना की और यहां तक कि विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रम भी शुरू किए। मौजूदा स्कूलों के अलावा, आपराधिक न्याय प्रणाली को मजबूत करने के लिए व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करने की दृष्टि की वजह से उन्होंने पुलिस विज्ञान और सुरक्षा अध्ययन, कानून और फोरेंसिक न्याय, मेडिको-लीगल स्टडीज और फोरेंसिक मनोविज्ञान के लिए समर्पित स्कूल भी स्थापित किए हैं। उन्होंने एनडीपीएस के लिए अब एक आधुनिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की है, जिसमें अन्य क्षेत्रों में और केंद्र स्थापित किए जाने हैं। आज, एनएफएसयू में लगभग 5000 छात्र पढ़ाई कर रहे हैं, जो फोरेंसिक विज्ञान और इससे संबद्ध विषयों की हर संभव शाखा में चलाए जा रहे 70 विशेष स्नातकोत्तर डिग्री / डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का लाभ उठा रहे हैं।

5. डॉ. व्यास को कई सम्मान और पुरस्कार मिले हैं, जिनमें 1997 में मेधावी सेवाओं के लिए 'राष्ट्रपति पुलिस पदक', 2004 में 'देश के सर्वश्रेष्ठ फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला और 2008 में एमिटी यूनिवर्सिटी और एम्स, नई दिल्ली द्वारा फोरेंसिक रसायन के क्षेत्र में 'लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड' शामिल है। अंतरराष्ट्रीय मान्यताओं के बीच, उन्हें 2018 में हेनरी सी ली इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस, यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू हेवन, यूएसए द्वारा 'प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय फोरेंसिक वैज्ञानिक पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। 2019 में इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ पुलिस एकेडेमीज (आईएनटीईआरपीए) तुर्की द्वारा "लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड" और 2019 में ही, इंटरनेशनल सेंटर फॉर ह्यूमैनिटेरियन फोरेंसिक्स द्वारा 'ह्यूमैनिटेरियन फोरेंसिक अवार्ड', प्रदान किया गया।